This question paper contains 8 printed pages]

130-R

B.A. (Part-II) Examination, 2022

(For Regular/Ex Candidates)

हिन्दी साहित्य

Paper I

(हिन्दी काव्य-2)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

*This question paper contains **three** sections as under :*

Section-A **खण्ड 'अ'** ***Max. Marks-10***

*This section contains **one** compulsory question with **10** parts. Answer of each part should not exceed **20** words. **All** questions carry equal marks.*

*इस खण्ड में **एक** अनिवार्य प्रश्न है जिसमें **10** भाग हैं। प्रत्येक भाग का उत्तर **20** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

https://www.uokonline.com

Section-B **खण्ड 'ब'** ***Max. Marks-50***

*This section contains **10** questions or explanations. Attempt **5** questions or explanations in all, selecting **one** question or explanation from each unit. Answer of each question or explanation should not exceed **250** words. **All** questions or explanations carry equal marks.*

*इस खण्ड में **10** प्रश्न अथवा व्याख्याएँ हैं। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न अथवा व्याख्या का चयन करते **हुए, कुल 5 प्रश्नों** अथवा व्याख्याओं के उत्तर दीजिए। **प्रत्येक** प्रश्न अथवा **व्याख्या** का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों अथवा व्याख्याओं के अंक समान हैं।*

Section-C **खण्ड 'स'** ***Max. Marks-40***

*This **section contains 4 questions** (questions may have sub-divisions). This **section** will cover **all units** but not more than one question from each **unit. Attempt 2** questions in all. Answer of each question should not exceed **500** words. **All** questions carry equal marks.*

*इस खण्ड में **4** प्रश्न हैं (प्रश्नों के उपभाग हो सकते हैं।) इस खण्ड में एक इकाई से अधिकतम एक प्रश्न होगा। कुल **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रत्येक** प्रश्न का उत्तर **500** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड-अ

1. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं–

(*i*) 'बानी जगरानी' कौन है ?

(*ii*) पंचवटी को धूरजटी क्यों कहा गया है ?

(*iii*) बिहारी की सतसई मुक्तक काव्य में लिखी गई है। इसमें मुख्य दोष क्या है ?

(*iv*) घनानंद की **दो** रचनाओं के नाम लिखिए।

(*v*) भूषण के काव्य की प्रमुख विशेषता क्या है ?

(*vi*) सूर्यमल्ल मिश्रण के आश्रयदाता राजा का नाम बताइये एवं उनके कहने पर किस ग्रंथ की रचना की थी ?

(*vii*) काव्य के **दो** मुख्य अंगों के नाम लिखिए।

(*viii*) रीतिसिद्ध कवियों के नाम लिखिए।

(*ix*) शब्दालंकार और अर्थालंकार में अंतर बताइये।

(*x*) श्रुतिकटुत्व दोष क्या है ?

खण्ड-ब

इकाई-I

2. प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

'रे कपि कौन तु अच्छ को घातक ?' दूत बली रघुनंदन जू को।'

'को रघुनंदन रे ?' 'त्रिमिरा खरदूषन-दूषन भूषन भू को॥'

'सागर कैसे तर्‌यो ?' 'जैसे गोपद' 'काज कहा ?' सियचोरहि देखौं।

'कैसे बंधायो ?' जो सुंदरि तेरी छुई दृग सोवत पातक लेखौं॥

3. इत आवति चलि, जाति उत चली, छसातक हाथ।

चढ़ी हिंडोरैं' सै रहै लगी उसासन साथ॥

लिखन बैठि जाकी सबी गहि गहि गरब गरूर।

भए न केते जगत के चतुर चितेरे क्रूर॥

4. तब तो छबि पीवत जीवत है, अब सोचन लोचन जात जरे।
हित पोष के तोष सु प्रान पले, बिललात महा दुख दोष भरे।
घनानंद मीत सुजान बिना सब ही सुख-साज टरे।
तब हार पहार से लागत है अब आनि कै बीच पहार परे।

5. ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी
ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहाती हैं।
कंद मूल भोग करैं कंद मूल भोग करैं
तीन बैर खातीं ते वै तीन बेर खाती हैं।
भूषन सिथिल अंग भूषन सिथिल अंग
बिजुन डुलातीं ते वे बिजुन डुलाती हैं।
भूषन भनत सिवराज बीर तेरे त्रास
नगन जड़ातीं ते वै नगन जड़ाती हैं॥

6. चाहत जौ स्वबस संजोग स्याम-सुन्दर कौ
जोग के प्रयोग मैं हियौ तौ बिलस्यो रहै।
कहै रतनाकर सु-अंतर-मुखी है ध्यान
मंजु हिय-कंज-जगी जोति मैं धस्यौ रहै॥
एसैं करौं लीन आत्मा कौं परमातमा मैं
जामैं जड़-चेतन-बिलास बिकस्यौ रहै॥
मोह-बस जोहत बिछोह जिय जाकौ छोहि।
सो तौ सब अंतर-निरंतर बस्यौ रहै॥

7. हम परतच्छ मैं प्रमान अनुमाने नाहि
तुम भ्रम-भोंर मैं भलें बहिबौ करौ।
कहै रतनाकर गुबिंद-ध्यान धारें हम
तुम मनमानौ ससा-सिंग गहिबो करौ।
लखि ब्रज-भूप-रूप अलख अरूप ब्रह्म
हम न कहेंगी तुम लाख कहिबौ करौ॥

UNIT-IV/इकाई-IV

8. रीतिकालीन काव्य की सामाजिकता पर अपने विचार लिखिये।

9. रीति का अर्थ स्पष्ट करते हुए रीतिकाल के नामकरण की विवेचना कीजिए।

इकाई-V

10. शब्द-शक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए तीनों शब्द-शक्ति पर प्रकाश डालिए।

11. अलंकार का अर्थ बताते हुए रूपक और उत्प्रेक्षा अलंकार के बारे में उदाहरण सहित लिखिये।

खण्ड-स

12. ''कवि केशवदास 'कठिन काव्य के प्रेत' कहे जाते हैं।'' इस कथन के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

13. घनानंद के काव्य में प्रेम की पीर का मार्मिक वर्णन है। उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

14. उद्धव शतक में गोपिकाओं और उद्धव के बीच हुए वाद-विवाद की विवेचना कीजिए।

15. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए–

1. रीतिकालीन राजनीतिक परिस्थिति
2. भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना
3. रीति कविता का कला पक्ष
4. रीति काल की प्रवृत्तियाँ।

Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से